**राज्यपाल सचिवालय, बिहार**
**(जन–सम्पर्क शाखा)**
**राजभवन, पटना–800022**

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
**prrajbhavanbihar@gmail.com**
मोबाईल–9431283596


## प्रेस–विज्ञप्ति

# राज्यपाल ने ''न रोको परिन्दों को'' पुस्तक को लोकार्पित किया

**पटना, 18 जुलाई** 2019

''साहित्य समाज के आगे–आगे मशाल लेकर चलता है और सही रास्ते पर इंसान को चलने की प्रेरणा देता है। कविताएँ मनुष्यता की पहचान और प्रतिष्ठा बढ़ाती हैं। गजल भी एक सशक्त काव्य–शैली है, जिसमें सिर्फ इश्क और माशूकी की बातें ही नहीं होतीं बल्कि जीवन की तल्ख सच्चाइयाँ भी होती हैं और इंकलाबी सपने और संकल्प भी होते हैं।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन के सभागार में श्री दिनेश कुमार शर्मा (पूर्व जिला जज) रचित गजल–संग्रह ''न रोको परिन्दों को'' को लोकार्पित करते हुए व्यक्त किये।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि जिन्दगी से लेकर खुदाई तक, दर्द से लेकर हौसलों तक, हकीकतों से लेकर नसीहतों तक –हर तरह की बातों को पूरी गहराई और शिद्दत के साथ रखनेवाली काव्यविधा गजल कवियों, गायकों और आमजन में भी काफी लोकप्रिय है। राज्यपाल ने कहा कि गजल एक ऐसी काव्य–शैली है, जिसमें व्यवस्था और विसंगतियों के प्रति विद्रोह के भाव भी समाहित मिलते हैं। उन्होंने कहा कि कविताएँ मनुष्यता की आवाज होती हैं। उनसे मनुष्य को शांति, सदभावना, प्रेम और भाईचारा के साथ जीवन–बसर करने की प्रेरणा मिलती है।

राज्यपाल ने कहा कि एक न्यायिक सेवा के अधिकारी में इतनी उत्कृष्ट संवेदनशीलता एवं सुन्दर अभिव्यक्ति–क्षमता वस्तुतः प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि 'न रोको परिन्दों को' नामक पुस्तक का शीर्षक भी काफी सार्थक और प्रेरणादायी है।

लोकार्पण समारोह में बोलते हुए डॉ॰ शंकर प्रसाद ने कहा कि 'रोको न परिन्दों को संग्रह की गजलें काफी उम्दा और अदब की दुनियाँ में विशेष पहचान बनानेवाली हैं। साहित्यकार डॉ॰ श्रीमती भूपेन्द्र कलसी ने कहा कि इस संग्रह की गजलों में जिन्दगी की हकीकतों का बयान है। शायर नाशाद औरंगाबादी ने संग्रह की गजलों में जिन्दगी और जमाने की धड़कनों के जज्ब होने की बात कही।

कार्यक्रम में पुस्तक के रचयिता कवि श्री दिनेश कुमार शर्मा ने अपनी रचना–प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए संग्रह की एक गजल पढ़कर भी सुनायी।

कार्यक्रम का संचालन राज्यपाल के जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉ॰ सुनील कुमार पाठक ने किया, जबकि धन्यवाद–ज्ञापन श्री श्रीकांत सत्यदर्शी ने किया।

लोकार्पण–समारोह में बिहार राज्य के मुख्य लोकायुक्त श्री एस॰के॰ शर्मा, पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश श्री सी॰एम॰ प्रसाद, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, अपर सचिव श्री विजय कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी (न्यायिक) श्री फूलचंद चौधरी, ओ॰एस॰डी॰ श्री संजय कुमार, ओ॰एस॰डी॰ श्री अहमद महमूद, राज्यपाल के आप्त सचिव श्री संजय चौधरी, विधि पदाधिकारी श्री राघवेन्द्र विक्रम सिंह परमार, श्री श्यामजी सहाय, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अनिल सुलभ, उपाध्यक्ष श्री नृपेन्द्र नाथ गुप्त, डॉ॰ शिववंश पाण्डेय, डॉ॰ लक्ष्मी सिंह, श्री राजेश शुक्ला आदि भी उपस्थित थे।

.....